जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

# राष्ट्रदूत

epaper.rashtradoot.com

कोटा

Rashtradoot

फोनः- 2386031, 2386032 फैक्सः- 0744-2386033 वर्षः 47 संख्याः 359 प्रभात कोटा, बुधवार 12 अक्टूबर, 2022 कोटा/24/2012-14 पृष्ठ 6 मूल्य 2.50 रु.

# गहलोत की विदाई क्यों अटकी हुई है?

## हाई कमान चाहता है, नया अध्यक्ष इस निर्णय का क्रियान्वयन कराये

-रेणु मित्तल-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 11 अक्टूबर। यह सोनिया गांधी की ओर से एक और तिरस्कार है। राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत की अनदेखी कर पार्टी के शीर्ष नतृत्व ने उन्हें पार्टी के प्रतिनिधि के रुप में मुलायम सिंह यादव के अंतिम संस्कार में भाग लेने के लिए सैफ़ई नहीं भेजा। कांग्रेस पार्टी का प्रतिनिधित्व करने के लिए वहां जो दो व्यक्ति भेजे गए हैं, वे हैं छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल और मध्य प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ। यदि विद्रोह से पहले जैसी सामान्य स्थिति होती तो पार्टी के देश में दो मुख्यमंत्रियों में से एक अशोक गहलोत को उनके अंतिम संस्कार में भाग लेने के लिए भेजा जाता।

लेकिन अशोक गहलोत पीछे नहीं रहना चाहते। "मैं परवाह नहीं करता" वाला रवैया दर्शाते हुए गहलोत भी सैफ़ई के लिए रवाना हो गए, अपने विधायकों को यह संदेश देने के लिए कि वे अब भी मुख्यमंत्री की कुर्सी पर जमे हुए हैं और उन्हें सोनिया गांधी का विश्वास प्राप्त है।

वास्तव में गहलोत का विद्रोह एक ऐसी स्थिति में पहुंच चुका है कि यहां तक गांधी परिवार का संबंध है, वह अपनी ढपली अलग ही बजा रहे हैं। गौतम अडानी की मेजबानी करने का उनका

- **प्रियंका गांधी ने अध्यक्ष पद के चुनाव की प्रक्रिया के बीच यू.पी. का प्रदेशाध्यक्ष बदला था, इस पर प्रतिक्रिया ठीक नहीं हुई। वरिष्ठ नेताओं का मत था कि, यह निर्णय नये अध्यक्ष पर छोड़ना ज्यादा उचित रहता।**
- **इसीलिये अब 17 अक्टूबर के बाद नये अध्यक्ष के चुनाव तक, गहलोत का "फेयरवैल" स्थगित हो गया है।**
- **जैसा कि लग रहा है, खड़गे का अध्यक्ष बनना लगभग तय है तथा खड़गे भी पर्यवेक्षक के रूप में जयपुर आये थे तथा उस समय जो ड्रामा हुआ था, उससे क्षुब्ध होकर खड़गे ने तीखी टिप्पणी की थी कि, गत चालीस साल में उन्होंने कांग्रेस अध्यक्ष की इतनी बेइज़्ज़ती पहले कभी नहीं देखी।**

निर्णय कांग्रेस नेतृत्व को यह बताने का एक सुनियोजित कदम था कि वह उन्हें हटाने की किसी भी स्तर पर कोशिश करके देख ले। यहां तक कि उन्होंने अमित शाह के पुत्र जय. शाह को भी राजस्थान में निवेश करने के लिए आमंत्रित किया। जय शाह के नाम का आमंत्रण गांधी परिवार के लिए यह सबसे बड़ा संकेत था कि वह अब अमित शाह के संरक्षण में हैं और यदि सचिन पायलट को राजस्थान का मुख्यमंत्री के रूप में थोपने की कोई कोशिश की गई तो वह सरकार गिरा देंगे। सोनिया गांधी अपनी पुत्री प्रियंका के साथ शिमला गई हैं, गांधी परिवार कांग्रेस अध्यक्ष की चुनाव तिथि 17 अक्टूबर की प्रतीक्षा कर रहा है।

सूत्र कहते हैं कि जब प्रियंका गांधी ने अध्यक्ष के चुनाव के बीच में उत्तर प्रदेश कांग्रेस का नया अध्यक्ष नियुक्त किया तब पार्टी में इसकी भारी प्रतिक्रिया हुई थी। कई नेताओं ने सोनिया गांधी को लिखा था कि उन्हें कांग्रेस अध्यक्ष के चुनाव तक प्रतीक्षा करनी चाहिए थी क्योंकि नया अध्यक्ष ही इन मुद्दों पर अपना निर्णय लेगा। एक सीनियर नेता ने बताया कि यही कारण रहा होगा जिसकी वजह से अशोक गहलोत का मसला नए अध्यक्ष के चुनाव के बाद हाथ में लिया जा सकता है।

जब गहलोत का विद्रोह हुआ तब खड़गे राजस्थान में पार्टी के पर्यवेक्षक थे और अब वे पार्टी नए अध्यक्ष बनने जा रहे हैं। जयपुर से रवाना होने से पूर्व खड़गे ने कहा था कि उन्होंने पिछले 40 वर्षों में कांग्रेस अध्यक्ष का ऐसा अपमान कभी नहीं देखा। खड़गे गहलोत पर निर्णय लेंगे और अजय माकन के साथ एक नया पर्यवेक्षक नियुक्त किया जाएगा।

जैसी कि इस अखबार द्वारा पहले खबर दी जा चुकी है, अजय माकन एक-एक विधायक से सम्पर्क करने में व्यस्त हैं और राजस्थान में नेतृत्व के मुद्दे पर उनके विचार जान रहे हैं। साथ ही यह भी पता लगा रहे हैं कि वे किसका समर्थन कर रहे हैं। एक सीनियर नेता ने टिप्पणी की कि "कोई भी नेतृत्व इतनी अनुशासनहीनता और अपमान बर्दाश्त नहीं करेगा। यह एक उदाहरण बन जाएगा, जिससे स्थापित नेता प्रेरित होकर अपने धन-बल और कद के आधार पर विद्रोह करेंगे और कोई भी नेतृत्व ऐसा बर्दाश्त नहीं कर सकता।" इससे कोई फर्क नहीं पड़ता कि गहलोत कितने समय तक अपनी कुर्सी बचाने के जतन कर सकते हैं, लेकिन मुख्य बात यह है कि अशोक गहलोत की राजनीति अब समाप्त हो चुकी है और कम से कम कांग्रेस पार्टी में तो हो ही चुकी है।

## पंकज मित्तल राजस्थान के नए सी.जे.

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 11 अक्टूबर। केन्द्र सरकार ने मंगलवार को राजस्थान हाई कोर्ट, जम्मू-कश्मीर एवं लद्दाख हाई कोर्ट तथा कर्नाटक के नए चीफ जस्टिस नामित किए। जस्टिस पंकज मिथल राजस्थान हाई कोर्ट, जस्टिस ए.एम.

- **केन्द्र सरकार ने पंकज मित्तल को राजस्थान हाई कोर्ट का चीफ जस्टिस नियुक्त किया, इसी के साथ जम्मू-कश्मीर के लिए जस्टिस ए.एम. माग्रे और कर्नाटक के लिए जस्टिस प्रसन्ना बी. वराले को चीफ जस्टिस के पद पर नियुक्ति दी।**

माग्रे जम्मू-कश्मीर एवं लद्दाख हाई कोर्ट और जस्टिस प्रसन्ना बी. वराले कर्नाटक हाई कोर्ट के चीफ जस्टिस बनाए गए हैं। जस्टिस मिथल को शुरु में 4 जनवरी 2021 को जम्मू एवं कश्मीर हाई कोर्ट के चीफ जस्टिस के रूप में पदोन्नत किया गया था। वह मूलत: इलाहाबाद हाई कोर्ट से है, जहां वह जज बने थे। शुरु से उनकी नियुक्ति अतिरिक्त न्यायाधीश के रूप में हुई थी और जुलाई 2006 में वह वहां के स्थायी न्यायाधीश बने। सुप्रीम कोर्ट कोलीजियम के गत 30 सितम्बर को इनके नामों की सिफारिश की थी और अब इनकी नियुक्तियां की गई हैं।

# प्रदेश प्रभारी अरूण सिंह ने नेताओं की घर वापसी पर दिया बड़ा बयान

## अरूण सिंह ने कहा भाजपा प्रदेशाध्यक्ष पूनिया से बात करके ही कमेटी करेगी घर वापसी का फैसला

जयपुर, 11 अक्टूबर (का.सं.)। भाजपा में पिछले लोकसभा व विधानसभा चुनावों के दौरान पार्टी छोड़कर जाने वाले नेताओं की घर वापसी को लेकर भाजपा के राष्ट्रीय महामंत्री एवं प्रदेश प्रभारी अरुण सिंह ने बड़ा बयान दिया। इस दौरान सिंह ने कहा कि भाजपा छोड़ कर जा चुके नेताओं की घर वापसी पर फैसले के लिए एक कमेटी का गठन होगा। कमेटी नेताओं के प्रोफाइल और तमाम पहलुओं पर चर्चा करके रिपोर्ट तैयार करेगी।

उन्होंने कहा कि जो नेता पार्टी की नीतियों में विश्वास करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की ओर से किए जा रहे कामकाज से प्रभावित होकर पार्टी में आना चाहेगा उसे ही पार्टी में शामिल करवाया जाएगा। कमेटी अपनी रिपोर्ट प्रदेश भाजपा के अध्यक्ष सतीश पूनिया को सौंप देगी और पूनिया उसके बाद अपनी सहमति देकर अपनी रिपोर्ट पार्टी आलाकमान को देंगे।

विधानसभा और लोकसभा चुनाव के दौरान भाजपा छोड़कर जाने वाले नेताओं की घर वापसी को लेकर इन दिनों प्रदेश भाजपा में चर्चाएं जोरों पर हैं। हालांकि जिन आधा दर्जन नेताओं की घर वापसी की बात कही जा रही है। उनका फैसला पार्टी की कोर कमेटी करेगी

- **21 अक्टूबर को राष्ट्रीय अध्यक्ष जे.पी. नड्डा कोटा में लेंगे, कोर कमेटी की बैठक, उसमें 6 नेताओं की घर वापसी पर फैसला होगा।**
- **ये 6 नेता हैं, सुरेन्द्र गोयल, देवी सिंह भाटी, मानवेन्द्र सिंह, सुभाष महरिया और राजकुमार रिणवा।**
- **रोचक बात यह है कि, पार्टी का एक धड़ा इनकी घर वापसी का विरोध कर रहा है।**

पार्टी की कोर कमेटी की बैठक 21 अक्टूबर को राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा की अध्यक्षता में कोटा में आयोजित होगी जिसमें नेताओं की घर वापसी का फैसला होगा। पार्टी छोड़ चुके सुरेंद्र गोयल, देवी सिंह भाटी, मानवेंद्र सिंह, सुभाष महरिया और राजकुमार रिणवा का फैसला पार्टी की कोर कमेटी की बैठक में होगा।

वही दिलचस्प बात तो यह है कि एक तरफ तो नेताओं की घर वापसी का फैसला पार्टी कोर कमेटी करेगी लेकिन पार्टी कोर कमेटी में ही कई नेता ऐसे हैं जो इन नेताओं की घर वापसी का विरोध कर रहे हैं। कोर कमेटी के सदस्य और केंद्रीय मंत्री अर्जुन राम मेघवाल और देवी सिंह भाटी के बीच अदावत जगजाहिर है इसके अलावा केंद्रीय मंत्री कैलाश चौधरी और मानवेंद्र सिंह के बीच भी लंबी अदावत चली आ रही है ऐसे में पार्टी का एक धड़ा ही इनकी घर वापसी का विरोध कर रहा है।

प्रदेश पदाधिकारी बैठक में भाजपा राष्ट्रीय महामंत्री एवं प्रदेश प्रभारीअरुण सिंह, भाजपा प्रदेश अध्यक्ष डॉ. सतीश पूनियां,भाजपा प्रदेश संगठन महामंत्रीचंद्रशेखर, भाजपा प्रदेश सह प्रभारीविजया रहाटकर ने प्रदेश पदाधिकारियों के साथ बैठक में आगामी कार्ययोजना व विभिन्न संगठनात्मक विषयों पर चर्चा की। इसके अलावा अरुण सिंह, डॉ. सतीश पूनियां, चंद्रशेखर, विजया रहाटकर, केंद्रीय मंत्रीअर्जुनराम मेघवाल ने पार्टी के विभिन्न अभियानों के संयोजक और विभागों के संयोजक व सह संयोजकों के साथ भी बैठक कर आगामी कार्ययोजना पर चर्चा की।